

BY AIR MAIL
PAR AVION



100 भारत INDIA



200 भारत INDIA

Mr. S. H. RAZA

POSTES FRANCE

MR RAZA Sayed
C/O RAZA Rue du Chateau
GORBIO 06500 MENTON

RÉEXPÉDITION

(FRANCE)

From = Manjusha Ganguly
11/66 Dale-Tarnagar
Bhadrabhadra Road
BHOPAL-17
(INDIA)



Mayusha Ganguly
11/66 Dak-TARNAGAR
Bhadrabhadra Road
BHOPAL-17 INDIA

7th August 1981

मंजूबा (निलेकर) गांगुली

आदरणीय राजा जी,

नमस्कार-

बहुत दिनों के बाद मेरा पत्र देसकर आप कारखर्च करेंगे।
हाल ही में अशोक जी आपसे मिलकर कार- है- उनसे-
आपके बारे में सुना। हाल-चाल पता लगे।
मैंने इस बीच पत्र डालने की कई बार कोशिश की-
लेकिन कभी तो पोस्ट करना रह गया या कभी आपके
नये पते के बारे में ठीक से पता न चल सके। बहरहाल।
मैं यहाँ मजे में हूँ। पिछली अक्टूबर को मेरा ब्याट-
डूकर है। यहाँ के ही रंगकमी की वेबू गांगुली से।
कैरि अब आनेवाली। 1म अक्टूबर को कलकत्ता में
मेरे नये चित्रों की प्रदर्शनी लगा रही हूँ। उसी माह
कला परिषद् की ओर से लॉर्ड्स में जहांगीर आर्ट
गैलरी में सुरुज के साथ प्रदर्शनी में शेरकान-कसंगी।

आप कैसे हैं।

अब कहां अपनी चित्र प्रदर्शनी कर रहे हैं?।

आप यहाँ कब आ रहे हैं? मिलियोगा।

मैं यहाँ एक महाविद्यालय में अध्यापन कार्य कर रही हूँ। साथ ही अपना काम मैन-होम नहीं है।

मैं इसके अलावा एक और काम करना चाह रही हूँ (जो इसका संबंध मेरे व्यवसाय से भी है)।

P. H. D. के सेलसिल में मुझे आपसे मदद चाहिए।

आप मुझे निराश नहीं करेंगे ऐसा उम्मीद है।

मैंने अपनी पी.एच.डी. का विषय लिया है:

“समावेश्य भारतीय कला परिसंख्य में चार वरिष्ठ कलाकार”
(सम.सं. दुर्जन, वेद, आरा और सूरज।)

क्या मुझे इस विषय में आपकी सहमति मिल सकेगी।

कृपया स्वीकृति मुझे लिखित रूप में दे सकें ता बेहतर लगे। क्योंकि इसके न होने से मुझे पी.एच.डी. की यहाँ से अनुमति नहीं मिल पा रही है।

दूसरे आपके काम के बारे में मैं यहाँ जानती भी लिखित रूप में है वह तो मैंने परिषद से प्राप्त कर लिया है लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ ऐसा और होगा जो छपने से रह गया होगा। कृपया वह मुझे अपने की व्यवस्था करें तो मुझे बहुत बहुत मदद मिलेगी।

मंजूषा मिलेगा

इस सिंहासिक में आपका पूरा सहयोग आप देंगे यह-
विश्वास है फिर भी आप इसे अन्याय नहीं लगे
इसी उम्मीद में कर सकती हूँ ना ? □

आप यहाँ आ रहे हैं ना मेरे लिए बहुत सारी चीज़ें
आसान हो सकती हैं □ क्या मेरा भाग कैसा हो सकता
है आप तक ? मुझे तो हर सारा काम करना है अभी-
आप तक पहुँचाने के लिए □ आपने जो प्रोत्साहन
स्नेह से दिया है उसी के कारण मैं काम कर रही
हूँ वैसे अशोक जी भी मुझे हर बार मदद करते रहते
हैं □ साथ ही मेरे पति 'बेनु' बेहद समझदार व्यापारी हैं
व भी हर सवाल पूछते रहते हैं काम के लिए □
उन्हीं की वजह से मैं वैवाहिक स्थितियों की असहकरियाओं
से मुक्त हूँ जिनका सामना अन्य स्त्रियों को करना
पड़ता है □ बहरहाल □

भी आता जी के बारे में मैं आशंकित हूँ कि व-
मुझे सहमति मिलेगी □ क्या आप उनके सिंहासिक में
मेरी मदद कर सकेंगे ? □ मुझे विश्वास है □

मेरे क्या लिखूँ □

आप पर ज़रूर दीजियेगा □

मैं जब भी याद दूँ की नहीं आप को पता नहीं □
कभी आप को खुशना मेरे लिए कसँभव है □

आ. मोन. लिखा जी. को मेरी याद दियेगा □ अशोकजी
न आते काम के बारे में (जो वे अभी कर रही हैं)

बनाया कि वे कुछ वज्रपातियों से लोगों का दि के
साथ कोलाज में नये प्रयोग कर रही हैं □ उसे बतावेंगा
वे कैसे क्या कर रहे हैं □ मैं बहुत कम कुछ

काम (पूर्वग्रह में) दे रहे हैं □ बहुत उत्सुक हूँ जानने
के लिए □

□ तो आप पर लिखेंगे इसी उम्मीद में □

शुभकामनाओं के साथ □

आपकी / मंजुषु